PRINT

नवभारत टाइम्स (Navbharat Times)

National News Paper	Edition : Delhi	Circulation: 379943
दिनांक (Dated): 01-07-2025	पृष्ठ सं. (Page No.) 01	क्रम सं. (Serial No.) 68

महिलाएं संभाल रहीं CISF की टॉप कमांड!

शांति जी जयदेव | नीलिमा रानी | ज्योति सिन्हा | प्रतिभा अग्रवाल

आधे आईजी पदों की कमान अब महिला CISF अधिकारियों के हाथ में होगी

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** देश के सशस्त्र बलों में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अभूतपूर्व छलांग लगाते हुए, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) ने एक नया इतिहास रच दिया है। पहली बार, बल के आईजी कैडर के 50% पदों पर महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो न केवल CISF बल्कि देश की किसी भी सशस्त्र सेना के लिए एक मील का पत्थर है।

इस नई नेतृत्व टीम में चार प्रेरणास्रोत महिला अधिकारी शामिल हैं, जिन्होंने अपना पदभार संभाल लिया है। इनमें 1990 बैच की आईजी शांति जी जयदेव (पूर्वी सेक्टर), 1991 बैच की ज्योति सिन्हा (अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा), 1991 बैच की नीलिमा रानी सिंह (मध्य सेक्टर) और 1992 बैच की प्रतिभा अग्रवाल (मुख्यालय) शामिल हैं। इन नियुक्तियों ने साबित कर दिया है कि CISF नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका को प्राथमिकता दे रहा है।

पहली बार किसी बल में IG कैडर में होंगी 50% महिलाएं

यह कदम CISF की उस व्यापक प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत वह महिलाओं के लिए एक बेहतर और सहायक वातावरण बना रहा है। आज बल में लगभग 12,510 महिला कर्मी हैं, जो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में सर्वाधिक है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए, हरियाणा के नूंह में CISF की पहली पूर्ण महिला बटालियन की स्थापना को मंजूरी दी गई है, जिसमें एक हजार से अधिक महिला कमांडो शामिल होंगी।

नई पोस्टिंग नीति के तहत अब कपल मामलों में महिलाओं को उनकी पसंद की पोस्टिंग में वरीयता दी जा रही है। मुश्किल पोस्टिंग के बाद उन्हें बाकी सर्विस के लिए पसंदीदा स्थान चुनने का अधिकार दिया गया है। महिला कर्मियों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए मुख्यालय में एक विशेष 'महिला डेस्क' भी स्थापित किया जा रहा है।

भविष्य की नींव को मजबूत करते हुए, बल ने अपने सबसे बड़े खेल भर्ती अभियान में 204 पुरुषों के मुकाबले 229 महिला खिलाड़ियों की भर्ती का निर्णय लिया है। इन सामूहिक उपलब्धियों के साथ-साथ, एसआई गीता सामोता ने माउंट एवरेस्ट फतह कर व्यक्तिगत शौर्य का भी परचम लहराया है। ये सभी कदम मिलकर पूरे देश के लिए नारी शक्ति की जीती-जागती मिसाल भी पेश करते हैं।

AFP